BY: Dr. Hameeda Shaheen (Guest Faculty),
Department of Psychology, Raja Singh College, Siwan.

(ख) एगोरोफोबिया (Agoraphobia)

'एगोराफोबिया' (agoraphobia) का शाब्दिक अर्थ भीड़-भाड़ या बाजार स्थलों (market places) से डर से होता है। परंतु वास्तविकता यह है कि एगोराफोबिया में कई तरह के डर सम्मिलित होते हैं जिसका केंद्र बिंदु सार्वजनिक या आम स्थान (public place) ही होता है जहाँ से व्यक्ति को ऐसा विश्वास होता है कि किसी तरह की घटना या दुर्घटना होने पर न तो कोई बचाव सम्भव है और न कोई बचाने के लिए ही आ सकता है। खरीददारी करने के लिए जाने से डर, भीड़-भाड़ वाले स्थानों में प्रवेश से डर तथा यात्रा करने से डर आदि एगोराफोबिया के सामान्य अंश हैं। कभी-कभी रोगी में आतंक (panic) के लक्षण भी देखे जाते हैं।

एगोराफोबिया की शुरूआत बार-बार आतंक दौरा (panic attack) होने से सामान्यतः होता है। DSM-IV (TR) में एगोराफोबिया की उत्पत्ति विभीषका विकृति (panic disorder) के इतिहास के बिना या उसके साथ दोनों ही तरह से होते माना गया है। कुछ ऐसे व्यक्ति होते हैं जिनमें विभीषका विकृति में हुए आतंक या विभीषका दौरा के कारण एगोराफोबिया विकसित हो जाता है तथा कुछ ऐसे व्यक्ति होते हैं जिनमें ऐसे आतंक या विभीषका का कोई इतिहास नहीं होता है फिर भी उनमें यह रोग विकसित हो जाता है। यही कारण है कि DSM-IV (TR) में एगोराफोबिया को वास्तविक दुर्भाति (true phobia) का एक प्रकार न मानकर विभीषका विकृति का एक उपप्रकार (subtype) बतलाकर उसकी व्याख्या की गयी है।

लक्षण (Symptoms):

एगोराफोबिया के निम्नलिखित लक्षण हैं, जिनके आधार पर इसे फोबिया के अन्य प्रकारों से अलग किया जा सकता है:-

(1) एगोराफोबिया का एक मुख्य लक्ष्य खुले स्थान के प्रति भय है। रोगी खुले मैदान में होने पर भय का अनुभव करता है और अधिक गम्भीर अवस्था होने पर केवल खुले स्थान में होने की कल्पना से ही भयभीत हो जाता है।

(2) एगोराफोबिया में सार्वजनिक स्थान से भी भय महसूस होता है। ऐसा इसलिए भी कि सार्वजनिक स्थान प्रायः खुले होते हैं। अन्य व्यक्तियों की उपस्थिति के बावजूद रोगी अपने आपको अकेला महसूस करता है।

(3) रोगी में असुरक्षा भाव प्रधान होता है। यदि रोगी अपने घर पर भी खुली जगह में होता है तो वह अपने आप को असुरक्षित महसूस कर भयभीत रहता है।

(4) एगोराफोबिया का एक लक्षण आतंक आक्रमण (panic attack) है, जो अधिक गम्भीर अवस्था में देखा जाता है। ऐसी स्थिति में डरावनी परिस्थितियों से रोगी को अपना बचाव करना कठिन हो जाता है।

Dr. Hameeda Shaheen, Deptt. of Psychology, Raja Singh College, Siwan

(5) एगोराफोबिया के रोगी में साधारण बाध्यता विकृति (compulsive disorder) देखी जाती है। जैसे-रात में बन्द कमरे की बार-बार जाँच करना, अपने हाथों को बार-बार धोना इत्यादि।

(6) एगोराफोबिया के कुछ रोगियों में विषाद (depression) के साधारण लक्षण देखे जाते हैं। रोगी भय तथा असुरक्षा के भावों के परिणामस्वरूप विषादी स्वरूप का बन जाता है।

(7) एगोराफोबिया से पीड़ित कुछ रोगियों में ऊँचे स्थानों तथा बन्द स्थानों से भी भय महसूस होता है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि एगोराफोबिया के रोगी में उपर्युक्त कई लक्षण पाये जाते हैं। बर्ट आदि (Burtetal; 1995) के अनुसार, फोबिया के लगभग 80% रोगी एगोराफोबिया के शिकार होते हैं। एक अध्ययन में 7% स्त्रियाँ तथा 3.5% पुरुष एगोराफोबिया से पीड़ित पाये गये (Kessker et al; 1994)। इससे पता चलता है कि यह रोग पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियों में अधिक पाया जाता है।

कारण एवं उपचार (Causes and Treatment):- एगोराफोबिया के कारण तथा उपचार के लिए देखें आगे दिये गये फोबिया के कारण तथा उपचार।

Dr. Hameeda Shaheen, Deptt. of Psychology, Raja Singh College, Siwan.